मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

MHD–002

एम. ए. हिन्दी (एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.डी.-002 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) 'नील परिधान बीच सुकुमार खुल रहा मृदुल
अधखुला अंग
खिला हो ज्यों बिजली का फूल मेघ-बन बीच
गुलाबी रंग।

आह! वह मुख! पश्चिम के व्योम-बीच जब घिरते हों
घनश्याम
अरुण रवि-मंडल उनको भेद दिखाई देता हो
छविधाम॥

(ख) 'जनता पर जादू चला राजे के समाज का
लोक-नारियों के लिए रानियाँ आदर्श हुईं।
धर्म का बढ़ावा रहा धोखे से भरा हुआ
लोहा बजा धर्म पर, सभ्यता के नाम पर
खून की नदी बही।
आँख-कान मूँदकर जनता ने डुबकियाँ लीं।'

(ग) 'आओ बैठो : क्षण भर तुम्हें निहारूँ
अपनी जानी एक-एक रेखा पहचानूँ
चेहरे की, आँखों की—अन्तर्मन की
और—हमारी साझे की अनगिनत स्मृतियों की : तुम्हें
निहारूँ।
झिझक न हो कि निरखना दबी वासना की विकृति है।'

(घ) 'एकाएक टूट गया स्वप्न व छिन्न-भिन्न हो गए
सब चित्र।

जागते में फिर से याद आने लगा वह स्वप्न,

फिर से याद आने लगे अंधेरे में चेहरे,

और, तब मुझे प्रतीत हुआ भयानक

गहन मृतात्माएँ इसी नगर की

हर रात जुलूस में चलतीं,

परन्तु दिन में

बैठती हैं मिलकर करती हुई षड्यंत्र

विभिन्न दफ्तरों-कार्यालयों, केंद्रों में, घरों में।'

(ङ) 'स्वर्ण शस्य पर-पदतल लुंठित,

धरती-सा सहिष्णु मन कुंठित,

क्रंदन कंपित अधर मौन स्मित,

राहु ग्रसित

शरदेंदु हासिनी।

चिंतित भृकुटि–क्षितिज, तिमिरांकित,

नमित नयन नभ, वाष्पाच्छादित

आनन श्री छाया शशि उपमित

ज्ञान मूढ़।'

2. एक छायावादी कवि के रूप में महादेवी वर्मा के महत्व का मूल्यांकन कीजिए। 16

3. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य के मूल प्रतिनिधिक स्वरों का विश्लेषण कीजिए। 16

4. 'असाध्य वीणा' को केन्द्र में रखकर अज्ञेय की रचना दृष्टि और जीवनमूल्यों का निरूपण कीजिए। 16

5. शमशेर बहादुर सिंह की कविताओं के शिल्प–पक्ष का विवेचन कीजिए। 16

6. रामधारीसिंह दिनकर की कविताओं में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना का मूल्यांकन कीजिए। 16

7. " 'अंधेरे में' शीर्षक कविता में मुक्तिबोध ने भयाक्रांत शोषित वर्ग का चित्रण किया है।" विवेचना कीजिए। 16

8. रघुवीर सहाय की काव्यभाषा की मुख्य विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। 16

9. नागार्जुन की भाषा सपाट होते हुए भी व्यंग्य और नाटकीयता से युक्त है, कैसे ? सोदाहरण विवेचना कीजिए। 16

10. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के काव्य में प्रयोगशीलता का विवेचन कीजिए। 16

× × × × ×